



Economics & more...



News at glance...

Maha Kumbh to drive consumption demand in sectors of specific interest to MSMEs:

[Read more..](#)

Cabinet approves Critical Mineral Mission with Rs 34,300 crore outlay

[Read more..](#)

Innovation takes center stage as India celebrates National Startup Day 2025

[Read more..](#)

Indian Navy Signs 2,960Cr Deal for MRSAM Missiles

[Read more..](#)

India, Oman to amend tax treaty, speed up trade pact

[Read more..](#)

Ethanol production to get a boost from rice allocation at lower prices

[Read more..](#)

India's petroleum products exports up 2% in April-December

[Read more..](#)

Special Article

Lokasamgraha: A Model for Ethical and Social Governance in the Contemporary World

~ Anushka Verma

This paper investigates the relevance of Lokasamgraha as guiding principle for ethical and social leadership and their implementation in the governance in modern society. Lokasamgraha emerging from Bhagavad Gītā's teachings, highlights collective welfare, dharma and nishkama karma. In the paper I aim to analyse the applicability of Lokasamgraha, by addressing the pressing global challenges such as inclusivity, ethical governance, sustainability, and social justice.

[Read More...](#)

Research Article

India's Foreign Trade Since 1991: Trends and Directions

~ Nishant Chaturvedi

India's foreign trade has changed significantly in the last 32 years. According to the HS6 digit level, 3,837 products were exported to 173 countries and 3,391 products were imported from 123 countries. The top exported commodities in 1991 were gems and jewellery, non-agglomerated iron ores, Petroleum products, and textiles. This paper examines India's foreign trade since the country opened its economy in 1991.

[Read More...](#)

More Updates

4 & 5G services empower Indian Army soldiers at world's highest battlefield
[Read more..](#)

India plans to build bias-free homegrown ChatGPT rival within 10 months
[Read more..](#)

Broad-based industrial development is the way for job creation: Odisha CM
[Read more..](#)

Foreign Secretary's visit to Beijing paves the way for strengthened ties
[Read more..](#)

Rs 1000-crore fund for climate-resilient farming likely
[Read more..](#)

Success Story

श्री रमेश अरोड़ा - क्वालिटी फार्मास्यूटिकल्स : मजबूत इरादों का स्वरूप।



वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन, फार्मास्यूटिकल इंस्पेक्शन कॉरपोरेशन स्कीमएवं यूरोपीय यूनियन द्वारा प्रमाणित क्वालिटी फार्मास्यूटिकल्स आजकिसी की पहचान का मोहताज नहीं है। सन् 1983 मैं श्री रमेश अरोड़ाजी द्वारा स्थापित क्वालिटी फार्मास्यूटिकल्स मजबूत इरादों का ही स्वरूप है। पिताजी का व्यापार था परंतु वह स्वयं अपने भविष्य कानिर्माण करना चाहते थे। अपनी पढ़ाई पूर्ण करने के बाद 1976 से 1980 तक उन्होंने फार्मा मेडिकल कंपनी में नौकरी की एवं यथासंभव अनुभव प्राप्त किया। श्री रमेश अरोड़ा जी बताते हैं कि शुरुआती दौर काफी मुश्किलों भरा था। व्यापार शुरू करनेके पैसे भी नहीं थे। तब उन्होंने अपने पिताजी से मदद मांगी।

पिताजी ने अपनी एलआईसीकी पॉलिसी सरेंडर कर कर उन्हें अठारह हजार रुपए दिए। स्वयं ही प्रोडक्शन यूनिट को देखना एवं बाहर जाकर आर्डर भी लेकर आना और फिर स्वयंसे ही उस माल को पैक करा कर टाइम पर भिजवाना काफी चुनौती पूर्ण था। जो अन्यसबसे बड़ी दिक्कत थी वह थी कंपीटीटरस की। इसलिए मार्केट में अपना वर्चस्व बनाने केलिए वह शुरुआती दौर में बिना कुछ कमाई ही रेट टू रेट दवाइयां का वितरण कर देते। उनके हड्ड इशारे एवं मेहनत रंग लाई, व्यापार चल निकला। महत्वपूर्ण बात जो उन्होंने कायमरखी वह थी क्वालिटी। यथा नाम तथा काम को चरितार्थ करते हुए क्वालिटीफार्मास्यूटिकल्स ने कभी भी अपनी क्वालिटी से समझौता नहीं किया। और इसी बात ने उन्हें भीड़ से अलग रखा।

श्री रमेश अरोड़ा जी बताते हैं कि व्यापार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जरूरी है डटकर खड़ेरहना। कई बार अलग-अलग तरह से एक्सपोर्ट में, गवर्नमेंट पॉलिसीय में, उन्हें भी दिक्कतें आई। परंतु हर बार उन्होंने समस्या के बजाय निवारण पर ध्यान दिया। आज क्वालिटी फार्मास्यूटिकल्स की एक और यूनिट हिमाचल में कार्यात्मक है। कोरोना के समय भी इन्होंने कई देशों में अपनी दवाइयां पहुंचाई। आज सत्तर से अधिक देशों में उनकी दवाइयां एक्सपोर्ट होती हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर भी यह कंपनी लिस्टेड है एवं सालाना टर्नओवर अस्सी करोड़ के आसपास है।

SSS EVENT



On 31st January, Swadeshi Shodh Sansthan organized a lecture cum discussion at Laghu Udyog Bharati office. In this lecture Mr. Swaminathan Gurumurthy ji were present as Chief Guest and main speaker. In this discussion cum lecture several dignitaries were present majorly Respected Kashmire Lal Ji (Akhil Bhartiya Sangthak), Respected Satish Kumar (Akhil Bhartiya Seh-Sangthak), Prof. Ashwani Mahajan (Akhil Bhartiya Seh-Sanyojak), from Swadeshi Jagaran Manch, Shri Prafulla Ketkar (Editor, Organizer Weekly) .

Prof. Somnath Sachdeva (VC of Kurukshetra University) and several core members of Swadeshi Shodh Sansthan core team. In this discussion Gurumurthy ji speaks about several sectors of Indian economy. He majorly focusses on small-scale industries in India, how they established and which were the communities who plays major role in it.

स्वदेशी विचार

~ गोपाल कृष्ण गोखले

"भारत के उत्थान का मार्ग स्वदेशी की ओर ही जाता है।"

Editorial Board

- Chief Editor : Prof. Raj K Mittal**
Editor : Prof. Sunita Baratwal
Co-Editor : Dr. Shabana
Section Editor : Ms. Urshita Bansal
Technical : Mr. Vaibhav Pandey
& Design Team : Mr. Naman Kashyap

Our Social Media:

